यूटीयू और हैस्को के बीच एमओयू

- दोनों संस्थान शोध समेत विभिन्न विषयों में मिलकर करेंगे कार्य

एमओयू साइन करते दोनों संस्थान के पदाधिकारी।

देहरादून (एसएनबी)। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) व हिमालयन पर्यावरण अध्ययन और संरक्षण संगठन (हैस्को) ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। इसके तहत दोनों संस्थान शोध समेत विभिन्न विषयों में मिलकर कार्य करेंगे।

मंगलवार को यूटीयू परिसर में एमओयू के दौरान हैस्को के निदेशक डा. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि हिमालय के विकास में विज्ञान एवं तकनीकी की सबसे बड़ी भूमिका है। हिमालय में विकास की शैली और तकनीक अपने आप में महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें सबसे बड़ा हिस्सा उन तमाम अन्य संवेदनशील परिस्थितियों से जुड़ा हुआ है जो हिमालय के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। यूटीयू और हैस्को ने आने वाले समय में सामूहिक रूप से शोध व विकास कार्य करेंगे। विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि हैस्को के साथ एमओयू का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा के विकास है। उत्तराखण्ड राज्य में मानव जीवन को आसान बनाने के लिए शोध कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास और संरक्षण में हैस्को की विशेषज्ञता को विवि की तकनीकी विशेषज्ञता के पूरक के रूप में मिलकर इस्तेमाल किया जायेगा और डाटा एकत्रित करने तथा शोध व विश्लेषण, प्रबन्धन करने में हैस्को का सहयोग करेगा। विवि में पंजीकृत पीएचडी छत्रों को आपसी सहमति से तय संयुक्त शोध कार्यों में लगाया जाएगा जिन्हें रिसर्च फैलोशिप भी देय होगी।

इस दौरान कुलसचिव डा. सत्येन्द्र सिंह, वित्त नियंत्रक बिक्रम सिंह जंतवाल, परीक्षा नियंत्रक डा. विनय कुमार पटेल, डा. मनोज कुमार पाण्डा, डा. संजय कुमार आदि मौजूद थे।